

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 27 जून, 2023

मशरूम की खेती से असम के कोकराझार ज़िले में उल्लेखनीय प्रगति

'एक ज़िला एक उत्पाद' पहल और वर्ष 2021 में शुरू किये गए मशरूम मशिन को संरक्षित करने तथा **मध्याह्न भोजन योजना** में मशरूम की शुरुआत के कारण मशरूम उत्पादन में काफी वृद्धि देखने को मिली है। असम के कोकराझार ज़िले ने इस संदर्भ में उल्लेखनीय प्रगति की है। बच्चों के भोजन में पोषक तत्वों से भरपूर मशरूम को शामिल करने से **कम वज़न वाले, कमज़ोर और एनीमिया** से पीड़ित बच्चों की संख्या में क्रमशः **56%, 55% तथा 76% की कमी आई है**। इस ज़िले में **मातृ मृत्यु दर** में भी **72.37% और शिशु मृत्यु दर में 30.56% की कमी आई है**। मशरूम अत्यधिक पोषक होता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। इसमें कैलोरी और वसा की मात्रा कम होती है जिस कारण यह **वज़न प्रबंधन के लिये एक बेहतर विकल्प के रूप में माना जाता है**। मशरूम **विटामिन** एवं **खनिजों** का एक समृद्ध स्रोत है, जिनमें **विटामिन बी, तांबा, सेलेनियम और पोटेशियम** शामिल हैं। मशरूम **पाचन तंत्र को बेहतर बनाने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मज़बूती प्रदान करने वाले डायटरी फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट** भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त मशरूम हड्डियों के स्वास्थ्य के लिये आवश्यक **विटामिन डी के कुछ गैर-पशु स्रोतों** में से एक है।

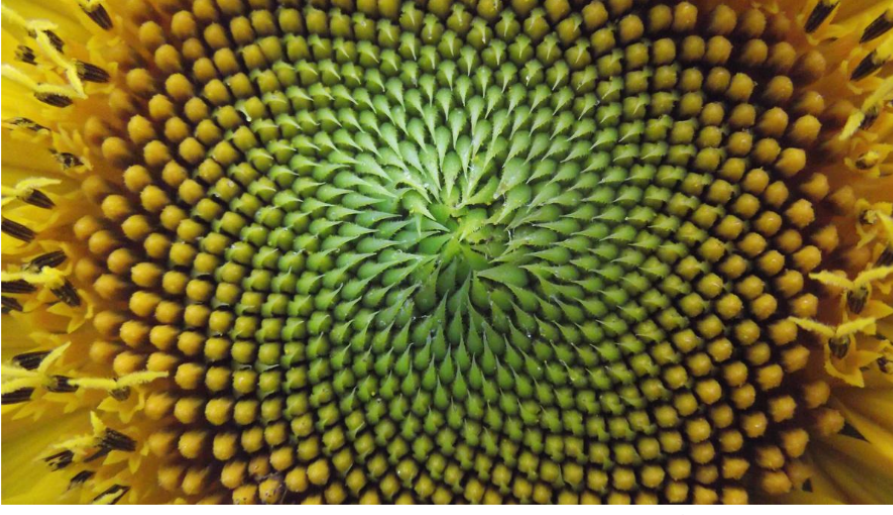
DPCGC ने OTT प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री के खिलाफ कार्रवाई की

हाल ही में भारत में ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट प्रदाताओं (OCCPs) के लिये एक स्व-नियामक निकाय, **डिजिटल प्रकाशक सामग्री शिकायत परिषद (DPCGC)** ने स्पष्ट और अश्लील सामग्री प्रसारित करने हेतु **ओवर-द-टॉप (OTT) प्लेटफॉर्म ULLU** के खिलाफ कार्रवाई की है। **सर्वोच्च न्यायालय** के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी की अध्यक्षता में परिषद ने **सूचना प्रौद्योगिकी नयिमों (2021)** के उल्लंघन तथा एक असंतुष्ट दर्शक द्वारा उठाई गई शिकायतों का हवाला देते हुए 15 दिनों के भीतर ऐसी सामग्री को हटाने की मांग करते हुए एक आदेश जारी किया। DPCGC **उपभोक्ता शिकायतों और सामग्री से संबंधित मुद्दों का समाधान** करता है। यह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत काम करता है तथा **सरकार द्वारा निर्धारित आचार संहिता व नयिमों को लागू** करता है। DPCGC में एक **OCCP परिषद और एक शिकायत नविवरण बोर्ड** शामिल है।

और पढ़ें... [ओवर-द-टॉप \(OTT\) प्लेटफॉर्म, ओवर-द-टॉप की चुनौतियाँ](#)

पौधों में मलिा फाइबोनैचि सर्पलि

एक हालिया अध्ययन ने आम धारणा पर प्रश्न उठाया है **कि पौधे प्राचीन एवं सुसंगत प्रारूप को प्रदर्शित करते हैं जिनमें फाइबोनैचि सर्पलि के रूप में जाना जाता है**। इन सर्पलियों को **पत्तियों एवं प्रजनन संरचनाओं सहित पौधों के विभिन्न भागों में देखा जा सकता है**। हालाँकि 407 मिलियन वर्ष प्राचीन जीवाश्म पौधों का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं ने पाया कि इस विशेष प्रजाति में **सर्पलि फाइबोनैचि अनुक्रम के अनुरूप नहीं थी**। **फाइबोनैचि अनुक्रम संख्याओं की एक शृंखला है जिसमें प्रत्येक संख्या दो पूर्ववर्ती संख्याओं का योग होती है**। यह अनुक्रम 0 और 1 से शुरू होता है तथा प्रत्येक बाद की संख्या उसके ठीक पहले की दो संख्याओं को जोड़कर प्राप्त की जाती है। यह अनुक्रम इस प्रकार शुरू होता है: 0, 1, 1, 2, 3, 5, 8, 13, 21, 34, 55, 89 इत्यादि। नई खोज से पता चलता है कि **शुरुआती पौधों में सर्पलि व्यवस्था का एक भिन्न प्रारूप था जिसमें गैर-फाइबोनैचि सर्पलि अधिक प्रचलित थे**। यह दर्शाता है कि **पत्ती व्यवस्था वाले और फाइबोनैचि सर्पलि के विकास का कुछ पौधों के समूहों में एक अलग इतिहास रहा है जैसे कि क्लबमॉस जो फर्न (सुंदर बारीक पत्तियों वाला एक पौधा) तथा फूल वाले पौधों जैसे अन्य जीवित पौधों के समूहों से भिन्न है**। यह शोध खोज कार्य या गतिविधि के नए रास्ते खोलता है तथा प्रकृति में मौजूद इन प्रारूपों की व्यापकता के रहस्य को जानने में सहायता कर सकता है।

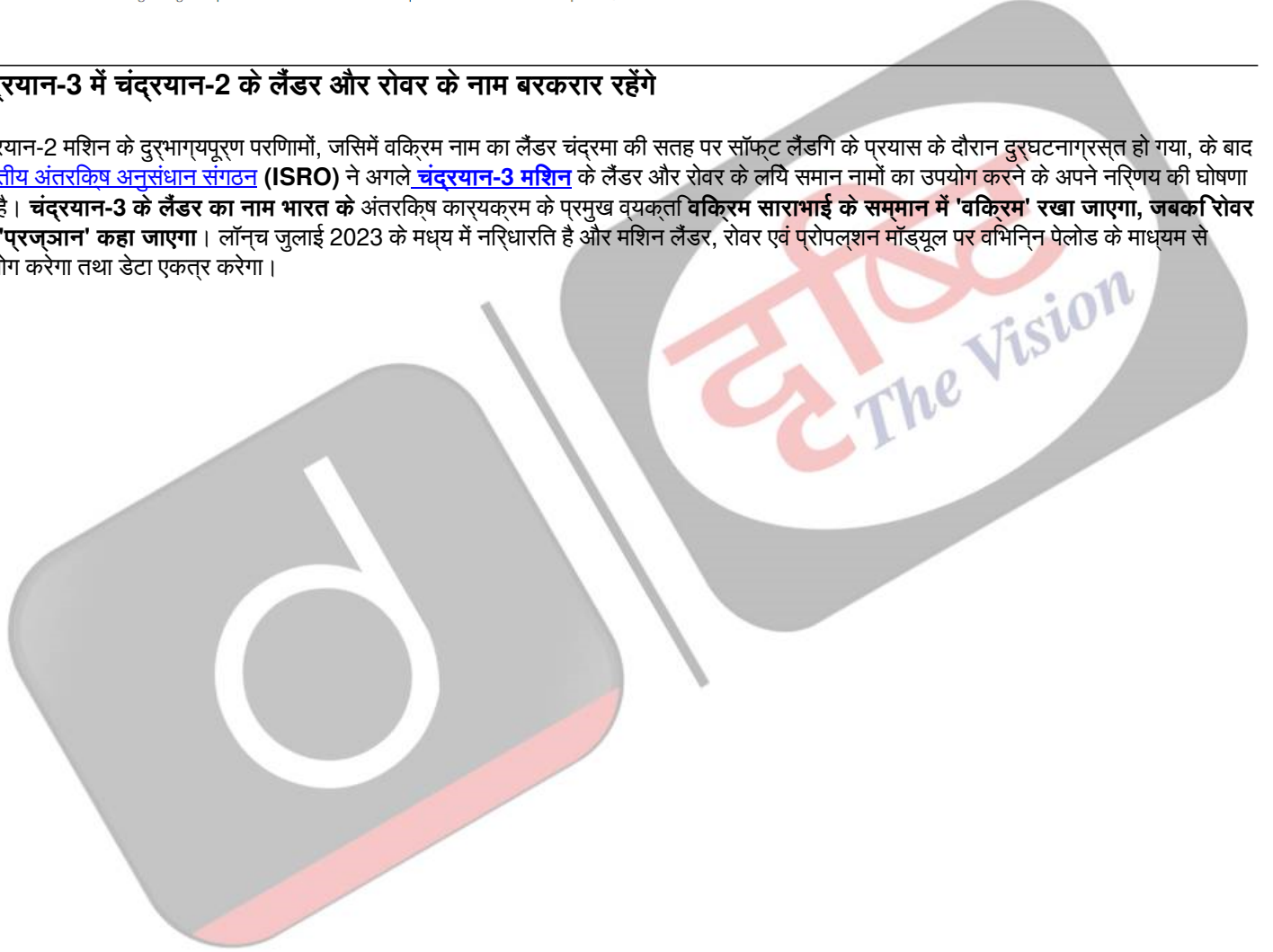


REA

The characteristic of being arranged in spirals that adhere to a numerical sequence called the Fibonacci sequence. | Photo Credit: The Hindu

चंद्रयान-3 में चंद्रयान-2 के लैंडर और रोवर के नाम बरकरार रहेंगे

चंद्रयान-2 मशिन के दुर्भाग्यपूर्ण परणामों, जसिमें विक्रम नाम का लैंडर चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, के बाद [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन \(ISRO\)](#) ने अगले [चंद्रयान-3 मशिन](#) के लैंडर और रोवर के लिये समान नामों का उपयोग करने के अपने नरिणय की घोषणा की है। [चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रमुख व्यक्ति विक्रम साराभाई के सम्मान में 'विक्रम' रखा जाएगा, जबकि रोवर को 'प्रज्ञान' कहा जाएगा।](#) लॉन्च जुलाई 2023 के मध्य में नरिधारति है और मशिन लैंडर, रोवर एवं प्रोपल्शन मॉड्यूल पर वभिन्न पेलोड के माध्यम से प्रयोग करेगा तथा डेटा एकत्र करेगा।



CHANDRAYAAN-3

FACTS AND FIGURES

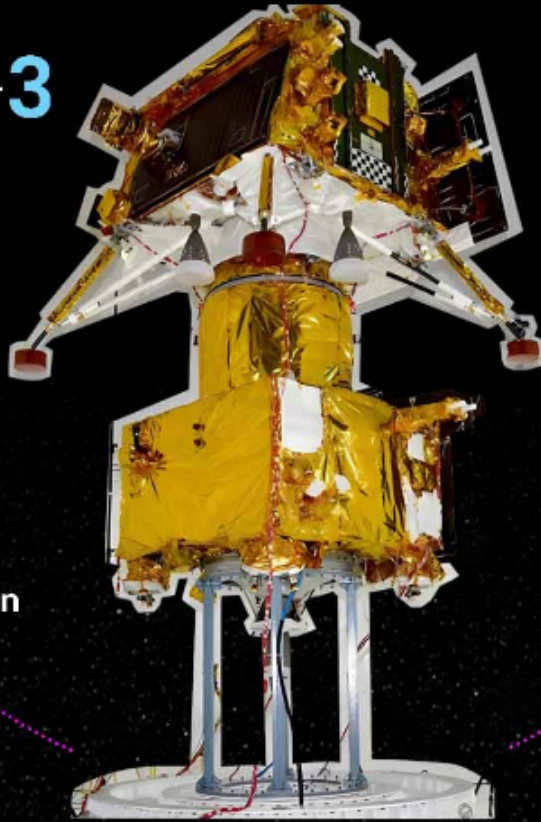
Name

Chandrayaan-3

Launch Vehicle

GSLV-MkIII

Destination
Moon



Mission Components

- Propulsion Module
- Lander
- Rover

Launch site

Satish Dhawan
Space Centre
Sriharikota

Mission life

1 lunar daylight
period or roughly
14 Earth days



Mass

3900 kg

Landing site

Moon
South polar region



और पढ़ें... [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, चंद्रयान-3 मशिन](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-27-june-2023>

